डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 62 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 14 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

## युवक कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने किया कार्यकर्ताओं को हताश

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र यादव के मंदसौर-नीमच संसदीय क्षेत्र के हाल के दौरे के पहले लगा था कि युवा कार्यकर्ताओं को प्रेरित कर जोश भर जाएंगे। लेकिन, वे आए भी, चले भी गए, स्वागत कार्यक्रम हल्का सिर्फ दिखावा करने जैसा था। कार्यकर्ता भी इतने एकत्रित हुए थे कि सिर्फ मुंह दिखाई रस्म करने वाले ही आए थे। भीड़ बिल्कुल नहीं थी। कहा जा सकता है कि कुल मिलाकर राष्ट्रीय कांग्रेस संगठन ने कार्य समिति बैठक के बाद जिस तेवर में संगठन का काम शुरू किया है। उसी स्तर पर परखने से लग रहा है कि संसदीय क्षेत्र के राजनीतिक वातावरण में और हताशा का वातावरण बना गए हैं। वरना न आते तो बंद मुट्ठी लाख की तर्ज पर युवक कांग्रेस का वजूद कायम रहता।

वर्तमान राजनीति जिस दौर से गुजर रही है, उसमें परिपक्वता का होना प्रमुखता हो गया है। नीमच में जिस तरह से युवक कांग्रेस की ही दो शाखों ने अपने ही नेता को लाने ले जाने के लिए जिस तरह सार्वजनिक अनुशासनहीनता और आपसी प्रतिद्वंदिता का प्रदर्शन किया। उसने कांग्रेस की जनसाख को और घटा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र यादव ने इसे अपने युवा साथियों का जोश करार दिया है। जबकि, जन सामान्य जिन्हें उनकी कांग्रेस भी मतदाता मानती है, में संदेश अच्छा नहीं गया है। अगर ऐसे ही भविष्य में जनसाख बढ़ाने के लिए कांग्रेस की कार्य योजना काम करती रही तो बची हुई जनसाख भी घट जाने के आसार अधिक नजर आते हैं। वर्तमान कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने संगठन में अनुशासन और सुधार की तैयारी कर ली है। तब युवक कांग्रेस में प्रशिक्षण देकर सार्वजनिक प्रदर्शनों में सकारात्मकता से जनमत को प्रभावित करने के गुण भी सीखाने होंगे। वरना ऐसे प्रदर्शनों से साख घटेगी और विरोधियों को बिना मेहनत के जन समर्थन मिल जाएगा।

## रिंग रोड किनारे मिला शव, शिनाख्ती नहीं

**रतलाम, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** बंजली ग्राम से सटे रिंग रोड किनारे शुक्रवार को अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। मृत व्यक्ति के हाथ पर उमाशंकर शर्मा रायपुर निकुनिया लिखा है। खबर लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को मेडिकल कॉलेज भेजा।

बंजली ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि भूरालाल डाबी ने बताया कि सुबह 8.30 बजे सूचना मिली कि अज्ञात व्यक्ति का शव रिंग रोड के पास नंदलाई घाटे के समीप सड़क किनारे पड़ा है। थाना औद्योगिक पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस के अनुसार मृत व्यक्ति की उम्र करीब 40 से 42 साल की है। पुलिस हाथ पर लिखे नाम अनुसार जिले के गांवों में पता कर रही है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

# खेल जीवन का शानदार और बेहतरीन प्रतिबिंब-नेगी

### राष्ट्रीय बालिका हॉकी प्रतियोगिता : झारखंड टीम ने किया कप पर कब्जा

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** 68वीं राष्ट्रीय शालेय हॉकी क्रीडा प्रतियोगिता का फायनल मेच शुक्रवार को हॉकी के एस्ट्रोटर्फ मैदान में खेला गया। इस मेच में झारखंड की टीम ने एमपी की टीम को पराजित कर कप अपने नाम किया। प्रतियोगिता में देश के 25 राज्यो की शालेय बालिका टीमो ने भाग लिया।

यहां पूर्व हॉकी खिलाड़ी मीर रंजन नेगी ने उपस्थित छात्राओ एवं आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन का सबसे बेहतरीन प्रतिबिंब है। यहां सबको पहले चोट लगती है, उसके पश्चात मुकाम प्राप्त होता है और अच्छा खिलाड़ी गोल की तरफ जाता है। यहां का मुकाबला चक दे इंडिया से कम नहीं था, बल्कि उससे ज्यादा अच्छा लगा। मंदसौर का आयोजन बहुत ही खूबसूरत आयोजन था। विगत 10 सालों में सबसे अच्छा टूर्नामेंट मंदसौर में देखने को मिला। मध्यप्रदेश की टीम ने भी बहुत अच्छा प्रयास किया। मैंने जीवन में हॉकी का दामन कभी नहीं छोड़ा। मैं हमेशा मैदान में रहता था। वूमेन टूर्नामेंट में हमने सभी गोल्ड मेडल लिए। जीवन में सबको समस्या आती है, जो अच्छा खिलाड़ी होता है वह उनसे लड़ना जानता है, सभी खिलाड़ी अच्छे इंसान बनकर उभरे।

राष्ट्रीय शालेय हॉकी का फायनल मेच प्रातः 10 बजे मध्य प्रदेश और झारखंड के बीच में शुरू हुआ। प्रतियोगिता में फाइनल विजेता झारखंड की टीम रही एवं उपविजेता मध्य प्रदेश की टीम रही। फायनल मेच में पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मीर रंजन नेगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रतियोगिता 9 दिसंबर से 13 दिसंबर तक चली। जिसमें देश के 25 राज्यों की 14 वर्ष से कम उम्र की बालिका वर्ग की 25 टीमें तथा दो सीबीएसई एवं विद्या भारती की टीमो ने भाग लिया। हॉकी के विभिन्न मैच मंदसौर के चार खेल मैदानों एस्ट्रोटर्फ, उत्कृष्टस्कूल, नूतन स्टेडियम के पास फुटबॉल मैदान व जग्गाखेड़ी स्थित सरस्वती विद्यालय में 9 दिसंबर से 13 दिसंबर तक खेले गए।

फाइनल प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मीर रंजन नेगी, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जिला खेल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, 25 राज्यों के हॉकी खिलाड़ी, कोच, मैनेजर, स्कूल के बच्चे, पत्रकार मौजूद थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने कहा कि सभी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। दूर-दूर से बच्चे मंदसौर खेलने के लिए आए। सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। हम सब की मेहनत सफल हुई। सब ने बेहतर तरीके से मैच देखा और आनंद लिया। मैच देखकर ऐसा लगा कि इंडिया का हॉकी के क्षेत्र में बहुत उज्ज्वल भविष्य होने वाला है। पूर्व विधायक श्री सिसोदिया ने कहा कि हम सभी के लिए गौरव का क्षण हैं। सौभाग्य की बात है कि हमको नेगी जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मिले हैं। सभी को प्रतियोगिता की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। प्रतियोगिता समापन के पश्चात विजेता टीम को हॉकी स्टिक मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान की गई। सभी मैनेजर एवं कोच को प्रतीक चिन्ह दिया गया। सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया एवं जितने भी खिलाड़ी अलग-अलग राज्य से आए थे, उनका सम्मान किया गया।

## सहकारिता के नए स्वरूप में पंचायते भी शामिल होगी

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** देश की राजनीतिक राजधानी में हुए 103 देशो के सहकारिता सम्मेलन में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूरे देश में दो लाख नई समितियां बनाई जाएगी। साथ ही सहकारिता के माध्यम से ग्राम पंचायतो को भी शामिल कर विकास के लिए क्षेत्रीय स्तर पर काम किया जाएगा। पांच दिन चले इस सहकारिता सम्मेलन के मुख्य अतिथि भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबके थे। प्रमुख वक्ता सेंट्रल को ऑपरेटिव सचिव डॉक्टर अशीष भूटानी थे।


श्री भटोल

मध्य प्रदेश के सीनियर को ऑपरेटर किशन सिंह भटोल ने बताया कि भारत मंडपम में हुए इस अंतराष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में विश्व सहकारी आंदोलन के प्रणेता उदय शंकर अवस्थी, अंतरराष्ट्रीय सहकारी संगठन के अध्यक्ष एरिय ग्वारको, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा अन्य देशों की प्रमुख सहकारी हस्तियों ने संबोधित किया। देश की नई दो लाख समितियां देश के प्रत्येक ग्राम पंचायत तक पहुंच बनाएगी। इसके लिए सरकार निरंतर कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री आय संरक्षण के लाभकारी मूल्य को उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा। इस सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटियों गुटेरेस ने भी संबोधित किया। भारत सरकार के सहकार मंत्रालय के साथ भारतीय को ऑपरेटिव मुहिम कृभको, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, इंडिया फार्मर्स एंड फॉरेस्ट डेवलपमेंट कोऑपरेटिव, नैफेड नक्श कॉप की सहभागिता से ही सम्मेलन हुआ था। इसमें देश-विदेश के सीनियर कॉरपोरेटर को आमंत्रित किया गया था। यूके के सीनियर ऑपरेटर रोजमाले भी शामिल हुए थे।

## वाहनों के पंजीयन नवीनीकरण में आड़े आ रही ओटीपी

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** शहर सहित प्रदेश के कई जिला परिवहन कार्यालयों में वाहनों के पंजीयन कार्ड बनाने की प्रक्रिया अटक रही है। इसकी वजह है पंजीयन के समय दर्ज फोन नंबर। उस समय अधिकतर लोगों के पास मोबाइल फोन नहीं था, ऐसे में अपने कार्यालय का या किसी परिचित का लैंडलाइन नंबर लिखा दिया जाता था। कई लोगों ने जो नंबर लिखाया था, वह अब बंद कर दिया है।

### नंबर अपडेट नहीं होने से ओटीपी नहीं...

समय बदलने के साथ इसके अपडेट का कोई विकल्प नहीं था। अब पुराने वाहनों के पंजीयन नवनीकरण और स्थानांतरण के लिए पोर्टल पर जैसे ही आवेदन किए जाते हैं तो नंबर अपडेट नहीं होने से ओटीपी नहीं पहुंचता। इस ओटीपी के अभाव में नवीनीकरण की प्रक्रिया रुक रही है।

### 11 हजार से अधिक वाहन मालिक परेशान...

प्रदेश भर में 11 हजार से अधिक वाहन मालिक परेशान हो रहे हैं। क्षेत्रीय व जिला परिवहन अधिकारियों की ओर से वाहन मालिकों की मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए वाहन मालिकों से संपकल्प पत्र द्वारा जानकारी जुटाई जाने लगी है। लेकिन, इस प्रक्रिया में भी समय लग रहा है। आनलाइन व्यवस्था के तहत एक सप्ताह में वाहनों के पंजीयन नवनीकरण व स्थानांतरण नहीं हो पा रहा है।




### वाहनों के स्थानांतरण में भी आ रही परेशानी...

मोबाइल फोन पर ओटीपी नहीं आने से वाहनों के स्थानांतरण कराने में भी लोगों को परेशानी आ रही है। ओटीपी नहीं आने से पुराने वाहन खरीदने के बाद लोग स्थानांतरण नहीं करा पा रहे हैं। भोपाल सहित प्रदेश भर में करीब पांच हजार वाहन मालिक स्थानांतरण के लिए परेशान हो रहे हैं। मोबाइल अपडेट कराने के लिए आरटीओ व डीटीओ के चक्कर लगा रहे हैं।

## मंडल अध्यक्षों के नाम पर मंथन, आज हो सकती हैं घोषणा

### जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया पदाधिकारियों से वन-टू-वन, वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद होगा फैसला

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा मंडल अध्यक्ष के नाम को लेकर शुक्रवार को पूरे दिन भाजपा कार्यालय पर जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्यमित्र भार्गव ने मंथन किया। जिले की चारों विधानसभा के 21 मंडल के पदाधिकारियों, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों से मंडल अध्यक्ष के नाम को लेकर रायशुमारी की। इससे पहले गुरूवार को प्रत्येक मंडल स्तर पर बुथ अध्यक्षों से रायशुमारी हो चूकी है। इसका मिलान जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया। मंडल और जिला केन्द्र पर चर्चा में सामने आऐ नामों की स्क्रुटनी कर तीन नामों का पैनल तैयार किया गया। जिस पर आज जिले के सांसद, विधायकों समेत सभी वरिष्ठनेताओं के साथ मंथन कर एक नाम तय करने का प्रयास किया जाएगा। इसके बाद भोपाल से सहमती मिलने के बाद मंडल अध्यक्ष के नाम का ऐलान होगा।**

शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे जिला भाजपा कार्यालय पर जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्यमित्र भार्गव ने प्रत्येक मंडल के पदाधिकारियों से मंडल अध्यक्ष के नाम पर मंथन किया। बैठक में प्रत्येक मंडल के पदाधिकारी, उस क्षेत्र के जिला पदाधिकारी, पूर्व विधायक से चर्चा की और रायशुमारी में सामने आए नामों का मिलान किया। इसके बाद सभी नामों की स्क्रूटनी की गई। इसमें तीन नामों का पैनल तैयार करने का प्रयास किया गया। रायशुमारी में सामने आऐ नामों पर सांसद, विधायक समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की जाएगी। जिसके बाद एक नाम को तय करने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन, मंडल अध्यक्ष के नाम का एलान भोपाल की सहमती के बाद ही होगा। हालांकि निर्वाचन प्रक्रिया में संसदीय क्षेत्र में अब केवल मंदसौर जिला ही बचा है। नीमच और रतलाम जिले में मंडल अध्यक्षों के नाम की घोषणा हो चूकी है। मंदसौर में भी निर्वाचन की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चूकी है। आज शनिवार शाम तक मंदसौर जिले के 21 ही मंडल में अध्यक्ष के नाम का एलान होने की संभावना है।

## श्री पशुपतिनाथ जी के भंडार से अब तक मिली 22 लाख से ज्यादा राशि, गणना शेष






**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** श्री पशुपतिनाथ मंदिर के दान पात्र से प्राप्त दान राशि की गणना कार्य में पहले दिन 12 दिसंबर को 9 लाख 91 हजार रुपये प्राप्त हुए। जबकि, दूसरे दिन शुक्रवार 13 दिसंबर को 12 लाख 69 हजार 160 रूपये प्राप्त हुए। इस प्रकार दो दिन की गणना कार्य में कुल 22 लाख 60 हजार 160 रुपये प्राप्त हुए। इसी प्रकार चांदी के आइटम 75 ग्राम, सोने का आइटम 21 ग्राम, विदेशी मुद्रा में अमेरिका का 1 डॉलर, 10 यूरो, नेपाल के 530 रुपए प्राप्त हुए। अभी भी शेष गणना का कार्य किया जाना हैं।

**सुशील अग्रवाल का किया सम्मान**–श्री पशुपतिनाथ मंदिर के चांदी के दरवाजो की रिपेयरिंग मरम्मत का कार्य उदयपुर के दानदाता श्री सुशील जी अग्रवाल द्वारा 1 लाख से अधिक राशि में राजस्थान से कारीगर बुलवा कर करवाया गया। मंदिर समिति द्वारा श्री अग्रवाल को सम्मानित किया गया।

## ओपन बोर्ड की परीक्षाएं 18 से

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** राज्य ओपन बोर्ड की परंपरागत 10वीं व 12वीं, 'रुक जाना नहीं' योजना के तहत दूसरे अवसर की परीक्षाएं 18 दिसंबर से शुरू होंगी। ये परीक्षाएं छह जनवरी तक चलेंगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में फैल हुए विद्यार्थियों के लिए रुक जाना नहीं योजना के तहत परीक्षा आयोजित की जाती है। इसमें दो बार परीक्षा होती है। मई-जून में आयोजित इस परीक्षा में फैल हुए विद्यार्थियों के लिए दूसरा अवसर दिया जाता है। इसमें सबसे अधिक रुक जाना नहीं योजना के तहत प्रथम अवसर में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी शामिल होंगे।

## अगले दो दिन शीत लहर का अलर्ट

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश सहित अंचल में पिछले 4 दिनों से लगातार ठंड बढ़ती जा रही है। जिले में शनिवार को भी कोल्ड डे रहेगा। न्यूनतम तापमान 8.2 व अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री के आसपास बना हुआ है।**

वहीं, मौसम विभाग ने 14-15 दिसम्बर को जिले में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि उत्तर भारत में बर्फबारी होने से सर्द हवाएं प्रदेश में आ रही हैं। वहीं, पश्चिम-उत्तर भारत में 12.6 किमी की उंचाई पर 278 किमी प्रतिघंटा की गति से जेट स्ट्रीम हवाएं चल रही हैं, एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। इस वजह से बर्फ पिघल रही है, जिससे हवा में ठंडक है। इस वजह से ज्यादातर हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

# हमसे क्यों नाराज होते जा रहे हैं पड़ोसी राष्ट्र...!

**मंदसौर/उज्जैन, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** हमारे देश की सीमाओं से लगे पड़ोसी राष्ट्र कभी भारत को बड़ा भाई मानते थे, अब नाराज होते जा रहे हैं। वे अब हमें पूछते नहीं है और विरोधी राष्ट्रों से हाथ मिला रहे हैं। हमारी सीमाओं पर खतरा बढ़ा रहे हैं। खासकर वर्तमान समय में नेपाल की नीतियों के कारण चिंता बढ़ने लगी है। इस तरह के मामले के लिए सभी राष्ट्रों के आपसी संबंध उनकी विदेश नीतियों पर निर्भर करते हैं। सभी राष्ट्रों के विदेश मंत्रालय आपसी संबंधों के उतार चढ़ाव पर नजर रखते हैं। आपसी वार्तालाप, शिकायतो का निराकरण और एक दूसरे को संकट में मदद का वातावरण भी बनाते हैं। बावजूद इसके पहले से पाकिस्तान, चीन से सीमा विवाद था ही अब नेपाल से भी इसी तरह की आवाज बुलंद हो रही है। मालदीव कभी हमारा मित्र था अब चीन से गलबहियां कर रहा है।

चन्द्रमोहन भगत

हमारे पड़ोसी देश ही अगर हमसे नाराज हैं तो स्वाभाविक है कि हमारी सीमा सुरक्षा पर कभी भी खतरा मंडरा सकता है। पाकिस्तान और चीन से सीमा विवाद तो पुराना है। पर, नेपाल से बीते एक दशक में सीमा विवाद गहराते हुए अब चिंता का विषय बन गया है। नेपाल ने पांच साल पहले अपना नया नक्शा जारी किया था। जिसमें कालापानी, लिपियाधूरा तथा लिपूलेख इलाका अपने सीमा में दिखाया है। जबकि, 18वीं सदी के अंत में अंग्रेजी शासन काल में यह हिस्सा भारतीय सीमा में माने गए थे। इसके अलावा पांच साल पहले तक नेपाल की करेंसी भारत में छपाई जाती थी, जो अब चीन से छपाई जा रही है। जिसमें उपरोक्त स्थान को भी नेपाल करेंसी में छपा कर अपनी धरोहर बताया गया है। दूसरा देश जो हाल ही में भारत से नाराज हुआ, वह मालदीव है। एक समय विदेशी आक्रांतओ से मालदीव को बचाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय सेना को भेजा था, जो मालदीव की सीमा की रक्षा करते आ रहे थे।

वर्तमान में ऐसा क्या हुआ कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मौइजू ने चीन से हाथ मिला लिया। इतना घना की चीन ने भी साथ मिलकर अपने प्रोजेक्ट वहां बनाना शुरू कर दिया है। चीन भी भारत के पड़ोसी छोटे राष्ट्रों को भरपूर मदद कर हमसे दूर करता जा रहा है। ऐसा लगातार होते रहना हमारी सीमा सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने जैसा है, जिसके लिए सरकार की चिंताएं बढ़ रही है। यह वातावरण अंतरराष्ट्रीय चर्चा और खबरों का हिस्सा बना हुआ है। इसलिए माना जा रहा है कि कहीं ना कहीं हमारी विदेश नीति और रक्षा मंत्रालय की नज़रंदाजी का नतीजा तो नहीं है! क्योंकि, नेपाल सरकार ने ऐसी अपनी आपत्ति दर्ज कराई है कि हमने सीमा विवाद पर बातचीत करने की पहल की थी तब भारत सरकार का जवाब था कि कोरोना काल के कारण अभी संभव नहीं है। जबकि, आस्ट्रेलिया से चर्चा के दौर चलाए गए थे। इसी बात पर नेपाल भारत से दूरी और चीन के करीब जाता जा रहा है।

हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कहा था कि अभी माहौल नहीं है, जैसे ही माहौल बनेगा तब बात हो जाएगी। जबकि, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीन यात्रा भी कर चुके हैं। इसके पहले तक नेपाल में किसी की भी सरकार बनने पर वहां के प्रधानमंत्री का पहला दौरा भारत का होता रहा है। बांग्लादेश की वर्तमान कार्यवाहक सरकार ने भी चीन के जहाज को अपने बंदरगाहों पर रुकने दिया है। उधर पाकिस्तान ने बांग्लादेशियों के लिए फ्री वीजा कर दिया है। कुल मिलाकर पड़ोसी राष्ट्रों की भारत के प्रति विमुखता का बढ़ना भविष्य और सीमा सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है।

## पाईप लाईन फूटी, हजारों लीटर पानी बहा

मंदसौर शहर के नई आबादी क्षेत्र में घरो को पानी सप्लाई करने वाली मेन पाईप लाईन महाराणा प्रताप चौराहा स्थित संजय गांधी उद्यान रोड पर फूट गई। जिससे हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह गया। सूचना मिलने पर नगरपालिका जलकल विभाग के कर्मचारियों द्वारा फूटी हुई पाईप लाईन सुधारने का कार्य किया जा रहा था।

## विचार-मंथन



# हालात की गंभीरता को नजरअंदाज कर रही है बांग्लादेश सरकार

करीब चार महीने पहले बांग्लादेश में तख्तापलट और नई सरकार बनने के बाद भारत के विदेश सचिव पहली बार वहां की यात्रा पर गए। मगर अफसोस कि उनकी यह यात्रा पड़ोसी देश के साथ कूटनीतिक संबंधों से जुड़े मसलों पर बातचीत से ज्यादा बांग्लादेश की अल्पसंख्यक आबादी के खिलाफ वहां के लोगों और सरकार के रवैये पर चिंता की वजह से हुई, ताकि स्थिति में कुछ सुधार आ सके। यह छिपा नहीं है कि शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में किसी न किसी बहाने अल्पसंख्यकों के जीवन को मुश्किल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, कई जगहों पर खुली हिंसा की खबरें भी आईं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस मसले पर अमेरिका तक ने चिंता जताई कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो हो रहा है, वह अनुचित है और उस पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। मगर चौतरफा आलोचना के बावजूद फिलहाल बांग्लादेश की सत्ता संभाल रही सरकार ने उपद्रवी तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और स्थिति को संभालना जरूरी नहीं समझा है, ताकि वहां हिंदू पहचान वाले लोग और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं के लगातार जारी रहने पर भारत ने चिंता जताई और इसके बाद भी जब वहां की सरकार की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं देखी गई, तब भारत के विदेश सचिव को वहां जाना पड़ा। सोमवार को उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस, विदेश मामलों के सलाहकार तौहिद हुसैन और विदेश सचिव मोहम्मद सशीम उद्दीन से मुलाकात की। बैठक में भारत ने जहां दोनों देशों के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंधों पर बातचीत की, वहीं बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। विडंबना है कि जो काम बांग्लादेश सरकार को अपनी ओर से करना चाहिए था, उसके लिए उसके एक पड़ोसी देश को औपचारिक रूप से ध्यान दिलाने की जरूरत पड़ रही है।आखिर वहां के अल्पसंख्यक भी बांग्लादेश के नागरिक है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। विडंबना है कि मानवीयता के लिहाज से भारत की पहलकदमी को गंभीरता से लेने के बजाय बांग्लादेश सरकार अब भी अपने दायित्व को लेकर लापरवाह नजर आ रही है। वहां के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में जिस तरह अल्पसंख्यकों पर हमले और उससे उपजी स्थिति को 'बांग्लादेश का आंतरिक मामला' बताया गया है, उससे साफ है कि पीड़ित समुदायों की सुरक्षा का भरोसा देने के बावजूद सरकार हालात की गंभीरता को नजरअंदाज कर रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगस्त की शुरूआत में एक अराजक बगावत के बाद बांग्लादेश में मौजूदा सरकार अस्तित्व में आई है और उसके सामने एक ओर आंतरिक उथल-पुथल से निपटने की जटिल चुनौती खड़ी है, तो दूसरी ओर उसे नई परिस्थितियों में अपने अंतरराष्ट्रीय कूटनयिक संबंधों को भी सहज बनाना है। अगर वह देश के भीतर अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और उनके मानवाधिकार सुनिश्चित नहीं कर पाती है, तो वहां एक गंभीर अराजकता पैदा हो सकती है। ऐसे में भारत की चिंता बांग्लादेश के लिए एक जरूरी सलाह की तरह है, जिस पर उसे बिना देर किए गौर करना चाहिए। भारत ने जिस तरह एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए समर्थन देने की बात कही है, वह परस्पर भरोसे पर आधारित है और यही दोनों देशों के हित में है।

# बांग्लादेश के हालात सुधरने की जगह और खराब हो गए...

**दीपक कुमार त्यागी**

देश व दुनिया के मीडिया के सूत्रों से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की हजारों की संख्या में जघन्य अपराध वाली घटनाएं घटित हो चुकी हैं, हिंदू इन घटनाओं में अपनी अनमोल जान-माल को गंवा रहे हैं, जो बांग्लादेश के अंदरुनी भयावह हालात के बारे में बताने के लिए काफी है। मीडिया स्रोतों से जो खबरें लोगों को निरंतर मिल रही हैं, वह देश व दुनिया के सभी हिंदुओं के साथ-साथ इंसान व इंसानियत को बेहद बुरी तरह से झकझोर देने वाली है। क्योंकि तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के द्वारा भारत विरोध व हिंदुओं के जान-माल को जानबूझकर जमकर के निशाना बनाया जा रहा है। हिंदुओं को मोहम्मद यूनुस सरकार के संरक्षण प्राप्त इस्लामिक कट्टरपंथियों के द्वारा सरेआम मौत के घाट तक उतारा जा रहा है। वहां हिंदुओं के मंदिर, मकान, दुकान व फेक्ट्रियों आदि को तोड़फोड़ कर के बड़े पैमाने पर आग के हवाले खुलेआम किया जा रहा है और अफसोस की बात यह है कि बांग्लादेश की पुलिस-फोर्स नियम-कायदे व कानून के अनुसार मानवता की रक्षा ना करके खुल्लम-खुल्ला इन भारत व हिंदुओं की विरोधी कट्टरपंथियों की जमात का साथ दे रही है। लेकिन इस हाल में हम भारतवासियों के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पूरे विश्व के किसी भी कौने में अगर इस्लाम धर्म के किसी व्यक्ति के साथ किसी अन्य धर्म के व्यक्ति के द्वारा कोई अप्रिय घटना घटित कर दी जाती है, तो हमारे प्यारे देश भारत



तक में भी इस्लामिक कट्टरपंथियों के इशारे पर उनके बहुत सारे लोगों को जमकर सड़कों पर बवाल काटते देखा जाता है। लेकिन अब जब बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुन कर के निशाना बनाया जा रहा उस वक्त इन लोगों की पूरी जमात की जुबान से एक शब्द भी हिंदुओं की रक्षा की अपील तक के लिए नहीं निकल रहा है, जो स्थिति हम सभी सनातन धर्म के अनुयायियों व देश के सभी नीति-निर्माताओं के लिए चिंताजनक व विचारणीय है। यहां आपको याद दिला दें कि पूरी दुनिया ने देखा है कि किस तरह से वर्ष 1971 में तत्कालीन भारत सरकार ने पाकिस्तानियों के अत्याचार से बांग्लादेश की जनता को एक अलग राष्ट्र बांग्लादेश का निर्माण करके अत्याचार से मुक्ति दिलाने का कार्य भारतीय सेना के जांबाजों के नेतृत्व में ही किया था, जिसके चलते ही भारत के लंबे समय से बांग्लादेश से मधुर संबंध रहे हैं। लेकिन मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में वहां की अंतरिम सरकार के बनने के बाद भारत-बांग्लादेश के संबंधों में बहुत तेज़ी के साथ कड़वाहट शुरू हुई है। संबंध खराब करने के लिए रही-सही कसर पाकिस्तान के इशारे पर बांग्लादेश के इस्लामिक कट्टरपंथियों के द्वारा हिंदुओं को निशाना बनाकर पूरी की जा रही है। जिस बेहद तनावपूर्ण स्थिति के चलते ही संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद अब दोनों देशों के बीच काफ़ी तल्ख कूटनीतिक भाषा का इस्तेमाल हो रहा है, जो स्थिति आने वाले समय में भारत-बांग्लादेश के संबंधों व वैश्विक स्तर पर ठीक नहीं है। यहां आपको एकबार फिर से याद दिला दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से ही भारत विरोधी गतिविधियां और हिंदुओं पर हमले के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं। जिसके बाद से ही बांग्लादेश का हिंदू समुदाय अपनी सुरक्षा करने की मांग को लेकर व हमले के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर के पूरे बांग्लादेश में जगह जगह छोटे-बड़े विरोध प्रदर्शन निरंतर कर रहा है। जिन प्रदर्शनों में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास बढ़-चढ़कर के भाग ले रहे थे और वह पूरे बांग्लादेश में घूम-घूमकर अत्याचार के खिलाफ हिंदुओं को संगठित कर रहे थे और भारत व दुनिया से बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा करने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते ही हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार की आंखों का कांटा बने हुए थे, जिस वजह से ही हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश सरकार के इशारे पर गिरफ्तार कर लिया गया था और वहां के न्यायालय में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की आवाज़ उठाने वाले अधिवक्ता पर भी जानलेवा हमला करके व उसके चैंबर में तोड़फोड़ करके उसको भी निशाना बनाया गया था। वहीं बांग्लादेश के मुद्दे पर हाल ही में एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में सवाल पूछे जाने पर अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा था कि - हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए। सरकारों को कानून के शासन का सम्मान करने की आवश्यकता है, उन्हें आधारभूत मानवाधिकारों का सम्मान करने की आवश्यकता है। हम इस बात पर हमेशा जोर देते रहेंगे। किसी भी तरह का विरोध शांतिपूर्ण होना चाहिए। हम इस बात पर बल देते हैं कि हिरासत में लिए गए लोगों को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए और उनसे अधारभूत मौलिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए। हालांकि उनका यह बयान औपचारिकता मात्र है, हालांकि उनके इस बयान में भी बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कोई ठोस आश्वासन या समाधान नजर नहीं आता है, उनका बयान केवल एक औपचारिकता मात्र है। वहीं हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने में नाकामयाबी दिखाई है, शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस पर आरोप लगाया कि उन्होंने हिंदुओं के नरसंहार में सक्रिय रूप से भाग लिया है। शेख हसीना के इस बयान को दुनिया भर के ठेकेदार बनने वाले ताकतवर देशों व मानवाधिकार संगठनों को संज्ञान लेकर के हिंदुओं के नरसंहार को रोकने के लिए मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ वैश्विक स्तर पर कार्रवाई करनी चाहिए, जो पर अभी तक तो कोई पहल होती हुई नजर नहीं आ रही है। हालांकि भारत सरकार भी बार-बार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को विभिन्न फोरम पर उठाने का कार्य निरंतर कर रही है, लेकिन उसके बाद भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर कट्टरपंथियों की जमात के द्वारा जबरदस्त अत्याचार जारी है।

# ग्राउंड जीरो पर बाल कल्याण क्षेत्र में 'यूनिसेफ' की भूमिका बेहतरीन

**डॉ. रमेश ठाकुर**

बाल कल्याण की बात हो या उनके अधिकारों की रक्षा, दोनों में प्रहरी की भूमिका निभाती है 'यूनिसेफ'। इसलिए यूनिसेफ का नाम सुनते ही मन-मस्तिष्क में बच्चे ईद गिर्द घूमने लगते हैं। साथ ही उनकी समस्याओं और सुधारी प्रयासों का जिक्र भी होने लगता है। आज 'विश्व यूनिसेफ दिवस' है। एक ऐसी संस्था जो संसार के 190 देशों के बेहद दुर्गम स्थानों पर पहुंचकर कर बच्चों के अधिकारों की हिमायत के लिए मजबूती से लड़ती है। बाल कल्याण की सुविधाएं विश्व के प्रत्येक जरूरतमंद, कमजोर और वंचित बच्चों तक पहुंचे, इसलिए लिए यूनिसेफ की टीमें चौबीसों घंटों ग्राउंड जीरो पर तैनात रहती हैं। यूनिसेफ़ का मतलब होता है 'संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष' जिसका आरंभ 11 दिसंबर, 1946 को 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' द्वारा किया गया था। शुरूआती वक्त में संस्थान में मात्र 43 देश शामिल हुए थे, लेकिन कुछ वर्षों बाद ये संख्या 100 पार कर गई। पर, आज इस संस्था में 190 मुल्क जुड़े हैं। संख्या में धीरे-धीरे इजाफा हो रहा है। यूनिसेफ के 5 लाख प्रतिनिधि इस समय पूरे संसार में कार्यरत हैं। वहीं, भारत में 18 हजार के करीब वर्कर दुर्गम स्थानों पर बाल कल्याण के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बाल तस्करी की रोकथाम में इनकी अगल से टीमें कार्य करती हैं। हिंदुस्तान में रोजाना करीब 69,000 बच्चे पैदा होते हैं। उन सभी नौनिहालों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और बाल संरक्षण में यूनिसेफ इंडिया बेहतरीन कदम उठाने को संकल्पित होता है। मौजूदा समय में यूनिसेफ की टीमें युद्धग्रस्त यूक्रेन-रूस, ईरान-इराक, अफगानिस्तान जैसे मुल्कों में अधिकांश जुटी हैं। वहां अभावग्रस्त बच्चों की परवरिश करने के अलावा उनकी शिक्षा-स्वास्थ्य में लगे हैं। वैसे देखा जाए तो, विश्व को यूनिसेफ की कार्यशैली द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान तब ज्यादा दिखी, जब इनके योद्धाओं ने बिना अपनी जान की परवाह किए युद्ध से आहत, असहाय, बेघर बच्चों को जरूरी सामानों की आपूर्ति, विभिन्न किस्म की सहायताएं और स्वास्थ्य में सुधार के अभियानों को चलाया। जैसे-जैसे समय बदला, यूनिसेफ ने अपनी कार्यशैली में और बदलाव किए। पहले इनका काम सिर्फ बाल अधिकारों की रक्षा के लिए जाना जाता था। लेकिन उसके बाद बच्चों के बेहतर जीवन को बनाने का भी जिम्मा इन्होंने अपने कंधों पर उठा लिया। फिलहाल वक्त में, यूनिसेफ की टीमें माताओं और नवजात शिशुओं के लिए एचआईवी की रोकथाम और उपचार, पर्याप्त पानी, स्वच्छ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, बाल स्वास्थ्य व पोषण जैसे क्षेत्रों में भी कार्यरत हैं। भारत के नजरिए से यूनिसेफ़ को देखें, तो वर्ष-1949 में मात्र तीन सदस्यीय स्टाफ़ ने हमारे यहां काम आरंभ किया। लेकिन सन् 1952 में दिल्ली में अपना एक कार्यालय स्थापित किया। वर्तमान में, समूचे भारत में इनके 16 राज्यों में कार्यालय हैं। जहां ये बच्चों के अधिकारों की हिमायत करते हैं। भारत में इनका प्रतिनिधित्व सिंथिया मैककैफ्रे करती हैं जिनकी नियुक्ति अक्टूबर 2022 में हुई थी। भारत सरकार अपने बजट से बड़ी रकम इनको सालाना आंवटित करती है। ताकि हमारे यहां दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले वो बच्चे भी इनके जरिए शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ सकें, जो सरकार की नजरों से छूट जाते हैं। यूनिसेफ का मुख्यालय, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थापित है। संस्था का उद्देश्य संसार भर के बच्चों को सुगम जीवन जीने, उन्हें आगे बढ़ाने और अपनी क्षमता का विकास कराने का अधिकार मुहैया कराना होता है। वर्ष 2021 में भारत में यूनिसेफ की सेवाओं के 75 वर्ष पूरे हुए। तब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यूनिसेफ और भारत के सहयोग के साझा प्रयासों की सराहना की। भारतीय हुकूमत भी चाहती है कि प्रत्येक बच्चे का स्वास्थ्य चंगा हो, सुरक्षा और खुशहाली मिले, इसके लिए वह कोई कोर-कसर नहीं छोड़ती। यूनिसेफ के लोग इस बात को विभिन्न वैश्विक मंचों पर कई मर्तबा कह भी चुके हैं कि उन्हें भारत सरकार से सदैव भरपूर सहयोग मिला। 2018 में यूनिसेफ ने 'एवेरी चाइल्ड अलाइव' नाम से एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान शुरू किया था जिसके अनुसार प्रत्येक मां और नवजात शिशु के लिए सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग और उनकी आपूर्ति करने के लिए प्रयासों का श्रीगणेश करना था।

# इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें और मुश्किलें

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है। निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है। महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है।

## अपना कागज दिखाओ, दिल्ली में अवैध बांग्लादेशियों पर शुरू हुआ एक्शन




## आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5446

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 4 | | | | | 5 | 6 | |
| | 3 | 9 | | | 8 | | 7 | |
| 7 | | | 2 | 5 | | | | |
| 3 | 1 | | | | 6 | 7 | | |
| | | 5 | | 7 | | 1 | | |
| | | 6 | 4 | | | | 8 | 9 |
| | | | | 9 | 7 | | | 2 |
| | 2 | | 8 | | | 6 | 5 | |
| | 8 | 1 | | | | | 9 | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5445

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 2 | 8 | 5 | 1 | 6 | 7 | 4 |
| 6 | 8 | 7 | 4 | 2 | 3 | 1 | 9 | 5 |
| 4 | 5 | 1 | 9 | 7 | 6 | 2 | 8 | 3 |
| 5 | 6 | 9 | 2 | 3 | 4 | 8 | 1 | 7 |
| 2 | 3 | 8 | 7 | 1 | 5 | 4 | 6 | 9 |
| 1 | 7 | 4 | 6 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 |
| 9 | 1 | 6 | 3 | 4 | 2 | 7 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 9 | 4 | 1 |
| 7 | 4 | 5 | 1 | 8 | 9 | 3 | 2 | 6 |

## वर्ग पहेली 5446



## वर्ग पहेली 5445 का हल

## 3319 बेटियों को 47.46 करोड़ रूपये की राशि से लाभांवित किया

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश में बालिका लिंगानुपात में सकारात्मक सुधार बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच, समाज में बालिकाओं के शिक्षा एवं स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने तथा बालिकाओं के विकास के लिये सकारात्मक और सक्षम वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से यह योजना प्रदेश सरकार द्वारा 01 जनवरी 2007 को लागू की गई योजना अन्तर्गत पंजीकृत लाड़ली बालिकाओं को कक्षा 6 से स्नातक तथा अंतिम रूप से 21 वर्ष की आयु तक कुल 143000 की सहायता प्रदान की जाती है। लाड़ली लक्ष्मी योजना का संचालन होने से बेटियों का भविष्य सुरिक्षत हुआ है। बेटियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए 6 वीं कक्षा मे 2,000 रुपए, 9 वीं कक्षा मे 4,000 रुपए, कक्षा 11वीं एवं 12वीं मे 6,000 रुपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। जब बालिका 21 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेती है और 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह नही हुआ है, तो उसे एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाएगा, जो एक लाख रु. है। जिससे अभिभावक बेटियों की पढाई, लिखाई में आने वाले खर्चे से चिंता मुक्त हो गये है। मंदसौर जिले में लाडली लक्ष्मी योजना के तहत अप्रेल 2024 से 12 दिसम्बर 2024 तक 3319 बेटियों को 47.46 करोड रूपये की राशि से लाभांवित किया गया है।

## कलेक्टर ने सरकार की एक वर्ष की उपलब्धि पर आधारित प्रदर्शनी का फीता काट कर शुभारंभ किया

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश सरकार को एक वर्ष होने वाला है। इस संबंध में राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश सरकार की एक वर्ष की उपलब्धि पर आधारित प्रदर्शनी गांधी चौराहा मंदसौर में लगाई गई। जिसका कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस प्रदर्शनी में राज्य शासन के एक वर्ष में किए गए कार्यों कर्व वर्णन हैं। प्रदर्शनी का नागरिकों द्वारा अवलोकन किया जा रहा है तथा प्रदर्शनी के माध्यम से नागरीक गण प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। जिले में 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक जन कल्याण अभियान संचालित हो रहा है। जिसके तहत जिले में ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिया जा रहा हैं। शिविर में प्राप्त आवेदनों को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। जनकल्याण अभियान में केन्द्र और राज्य सरकार की हितग्राही मूलक और लक्ष्य आधारित 45 योजनाओं की 63 सेवाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। इन योजनाओं के लाभ से वंचित रहे पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें हितलाभ दिया जा रहा है।

## आईटीआई नयाखेड़ा में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 17 को

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नयाखेड़ा बायपास मंदसौर में 17 दिसम्बर 2024 को होंडा फोर व्हीलर लिमिटेड द्वारा लोकेशन टपूकड़ा राजस्थान में अप्रेंटिस 150 एवं एफटीए 50 पदों के लिए एक दिवसीय कैंपस का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें सभी इंजीनियरिंग ट्रेड जैसे फीटर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, डीजल मैकेनिक, टर्नर, वेल्डर, ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रीशियन व्यवसाय उम्र 18 से 23 अप्रेंटिस एवं 19 से 25 वर्ष एफटीएके लिएके अभ्यर्थी पात्र होंगे। जिसमें वेतन अप्रेंटिस के लिए 13550 एवं एफटीएके लिए 25550 मासिक वेतन होगा। अधिक जानकारी के लिए 798 7241710पर संपर्क कर सकते है।

## अभाविप ने छात्रावास की समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 13 दिसम्बर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मंदसौर द्वारा बालक छात्रावास में आने वाली दैनिक समस्याओं को लेकर महाविद्यालय प्राचार्य श्री आर.के. वर्मा को ज्ञापन दिया गया।**

ज्ञापन के बिंदु में प्रमुख वाईफाई की सुविधा, नियमित साफ सफाई, टूटे हुए वॉशरूम के दरवाजों को ठीक करना आदि रही। इस छात्रावास को लेकर पहले भी कई बार ज्ञापन दिया गया पर कॉलेज प्रशासन से हर बार सिर्फ आश्वासन मिलता रहा। ज्ञापन में कहा की है कि अगर सोमवार तक इन सभी समस्याओं का निवारण नहीं हुआ तो अभाविप उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा जिसके समस्त जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की रहेगी। आंदोलन में मुख्य रूप से मंदसौर भाग संयोजक चंद्रराज सिंह उपस्थित रहे। ज्ञापन का वाचन पीजी कॉलेज अध्यक्ष अमित गुप्ता ने किया। इस अवसर पर साथ ही जिला एसएफएस प्रमुख अंकित शर्मा, जिला सोशल मीडिया संयोजक विनय शर्मा, नगर महाविद्यालय प्रमुख धुरव पालीवाल एवं आनंद प्रताप सिंह, अर्जुन सिंह, विनय पाटीदार, चेतन बैरागी, बालांश निसालकर, यशपाल सिंह, आर्यनवीर चौहान, हरीश धनगर, पीयूष पाटीदार, अंकित अंजना, सुमित पुरोहित, सुजल भाटिया, सूरज सोनी, कुणाल पारिख मौजूद रहे।

## स्वदेशी जागरण मंच ने बाबू गेनू सैद का बलिदान दिवस मनाया

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** स्वदेशी जागरण मंच मंदसौर द्वारा स्वदेशी आंदोलन के लिये अपनी जान न्यौछावर करने वाले बाबू गेनू सैद का बलिदान दिवस मनाया। इस दौरान उपस्थित मंच के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बाबू गेनू सैद के चित्र पर माल्यार्पण किये तथा उनके द्वारा किये गये कार्यों को याद किया।

वक्ताओं ने कहा कि बाबू गेनू सैद, एक साधारण मजदूर, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे। उन्होंने विदेशी कपड़ों के आयात के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। 12 दिसंबर 1930 को, मुंबई में एक विदेशी कपड़े के ट्रक को रोकते हुए, उन्हें ब्रिटिश पुलिस ने कुचलने का आदेश दिया, जिससे उनकी शहादत हुई। उनकी बलिदानी गाथा ने स्वदेशी आंदोलन को नई ऊर्जा दी। बाबू गेनू सैद स्वदेशी के लिए बलिदान होने वाले पहले शहीद थे। महानुगले गाँव में उनकी मूर्ति स्थापित है और उनकी स्मृति में मुंबई की एक गली का नाम गेनू स्ट्रीट रखा गया। बाबू गेनू स्वदेशी के पहले बलिदानी होकर आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। इस अवसर पर विभाग संयोजक दिलीप व्यास, सहसंयोजक अंकुश पालीवाल, जिला संयोजक दिलीप चौधरी, जिला विचार प्रमुख राजेश चौहान, महेंद्रसिंह राजावत, जिला युवा आयाम प्रमुख डॉ रजत जैन, संपर्क प्रमुख डॉ हेमंत नामदेव, वरिष्ठ नागरिक आयाम प्रमुख वीरेन आर्य, पं. राजेश शुक्ला, तहसील तहसील संयोजक अभितसिंह मंडलोई, सह.संयोजक रविंद्र सिंह जादौन, नगर संयोजक कनिष्क शर्मा, नगर प्रचार प्रमुख उदित जैन, नितेश माली, सतीश बैरागी, शुभम दुबे, घनश्याम वर्मा आदि ने बाबू गेनू सैद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

## घर बैठे पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है पोर्टल संपदा 2.0 में

**मंदसौर, 12 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है। संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल https://sampada.mpigr.gov.in पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है।

संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की 'आधार' बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्यापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वत: ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है। ई-हस्ताक्षर के साथ ऑटोमेटिकली पक्षकारों का फोटो अटैच होने संबंधित प्रबंध भी सॉफ्टवेयर में किया गया है। संपदा 2.0 में चयनित दस्तावेजों के लिये फेसलेस पंजीयन का विकल्प भी उपलब्ध है। इसमें पंजीयन कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिकली प्रेजेन्टेशन एवं वर्चुअल फाइनल करने की सुविधा के साथ कार्यवाही के प्रमाणीकरण के लिये ओटीपी की सुविधा भी दी गई है। इसमें पंजीयन, रिटर्न, रिफ्यूजल की सुविधा भी इलेक्ट्रॉनिकली उपलब्ध है। यह पक्षकारों को वीडियो केवायसी से पंजीयन सुविधा भी देता है। इसमें दोनों मोड (असिस्टे ड एवं नॉन असिस्टेड) उपलब्ध है। पंजीकृत दस्तावेजों का केवल इलेक्ट्रॉनिक संस्करण ही संधारित किया जायेगा। संपदा 2.0 पोर्टल में पक्षकार स्वयं या सेवा प्रदाता के सहयोग से संपत्ति का पंजीयन कर सकता है। इसमें खरीदी या बेचे जाने वाली संपत्ति की पहचान संबंधित विभाग द्वारा प्रदत्त यूनिक आईडी तथा नक्शे पर चिन्हांकित संपत्ति से की जाती है। पक्षकारों की पहचान 'आधार' बेस्ड ई-केवायसी से होती है। पोर्टल में चयनित दस्तावेज के आधार पर विलेख स्वत: तैयार होता है। विलेख के प्रारूप पर इलेक्ट्रॉनिकली सहमति के बाद शुल्क का ऑनलाइन भुगतान होता है। इसके बाद 'आधार' बेस्ड ई-साईन या डिजिटल साइन के द्वारा ऑनलाइन ही दस्तावेजों का निष्पादन हो होता है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीकरण के लिये 3 विकल्प (पारंपरिक रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर, फेसलेस पंजीयन और रिमोट पंजीयन) उपलब्ध कराये गये है। पंजीयन के लिये सुविधा अनुसार कार्यालय में आने के लिये स्लॉट आरक्षित कर सकते है। फेसलेस और रिमोट पंजीयन में एआई आधारित वीडियो केवायसी से प्रत्येक पक्षकार की पहचान एवं लाइवलीनेस चेक किया जा सकता है। इसके द्वारा समस्त स्व-घोषणाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग होती है। इसमें भी नॉन असिस्टेड विकल्प की स्थिति में ऑनलाइन प्रेजेन्टेशन होता है। पंजीयन के लिये स्लॉट बुकिंग के लिये असिस्टेड विकल्प की स्थिति में वर्चुअल इंटरेक्शन के लिये स्लॉट आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है।

**'लाभार्थियों ने साझा किये अपने अनुभव'** –पंजीयन विभाग की संपदा 2.0 लागू होने के बाद विभिन्न जिलों के लाभार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए इसे सुविधाजनक बताया है। गुना के श्री विष्णु प्रसाद बर्शैया ने अनुभव साझा किया कि पूरा काम ऑनलाइन और पहले से अधिक व्यवस्थित रूप से हुआ है। गुना की सुश्री अंकिता ने बताया कि संपदा 2.0 से कम समय में बेहतर तरीके से काम हो जाना संभव हो गया है। मुझे तुरंत दस्तावेज मेरे मोबाइल पर प्राप्त हो गये है। इसी तरह का अनुभव रतलाम के श्री राकेश पाटीदार का भी रहा। उन्होंने दुकान की रजिस्ट्री संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर से कराई जिसमें गवाह की आवश्यकता भी नही पडी और कोई परेशानी नहीं आई। साथ ही रजिस्ट्री भी मोबाइल पर हाथों हाथ प्राप्त हो गई।

**संतोष मिश्रा, (लेखक जनसंपर्क विभाग में उप संचालक है।)**

## अग्रिम कर की किश्त समय से जमा करें-आईटीओ मलिक

### आयकर विभाग का विवाद से विश्वास व अग्रिम कर पर कार्यक्रम सम्पन्न

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** आयकर विभाग द्वारा अग्रिम कर, स्व निर्धारण कर तथा विवाद से विश्वास स्कीम 2.0 पर एक आउटरीच प्रोग्राम स्थानीय सीए शाखा पर किया गया। चेम्बर ऑफ कॉमर्स, मंडी व्यापारी संघ, कर सलाहकार संघ तथा सीए एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए आयकर अधिकारी संजीव कुमार मलिक ने कहा कि हर व्यक्ति जिसकी टैक्स देनदारी एक वित्तीय वर्ष में टीडीएस/टीसीएस के पश्चात् दस हजार रू. या उससे अधिक होती है तो उसे एडवांस टैक्स का भुगतान करना चाहिये। आपने कहा कि अग्रिम कर की तृतीय किस्त का भुगतान 15 दिसम्बर तक अवश्य करें। विवाद से विश्वास स्कीम 2.0 जो कि 31 दिसम्बर तक है

कि विस्तृत जानकारी भी आपने प्रोजेक्टर के माध्यम से दी। आपने कहा कि विवाद से विश्वास स्कीम के निर्धारित फार्म में घोषणा पत्र भरकर करदाता अपनी अपीलीय फोरम में लंबित प्रकरण का स्कीम अनुसार टैक्स जमा कराकर निपटारा कर सकते है। प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन सीए शाखा के चेयरमेन सीए दिनेश जैन ने दिया। इस अवसर पर चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष अभय डोसी, दशपुर मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र नाहर, समाजसेवी गजराज जैन भी मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन सीए विकास भण्डारी ने किया व आभार सीए विनय अग्रवाल ने माना। उपरोक्त जानकारी आयकर निरीक्षक हेमंत सुथार ने दी।

## थारो म्हारो प्रेम प्रोडक्शन टीम ने विधायक डंग से की भेंट

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** सुवासरा के लोकप्रिय विधायक हरदीप सिंह डंग से उनके कार्यालय पर थारो म्हारो प्रेम फिल्म निर्देशक, फिल्म लेखक राजेंद्र सिंह राठौड, दिलीप त्रिपाठी, इंजीनियर दिलीप जोशी, सुभाष चंद्र त्रिपाठी, कास्टिंग डायरेक्टर नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, सूत्रधार, मार्केटिंग हेड पंकज पंवार, मनीष कनोदिया ने भेंट की। आपने विधायक श्री डंग को मालविका देवी की प्रतिमा के बारे में बताया और गणेश मगरा के बारे में जानकारी दी।

प्रॉडक्शन टीम ने करीब 30 मिनट तक आप से चर्चा की। श्री डंग ने सराहना करते हुए कहा कि मालवी बोली में फिल्म निर्माण होना चाहिए जिससे अंचल के पर्यटन को भी बढावा मिलेगा। आपने आश्वस्त किया मेरा पूरा सहयोग आपको आपकी टीम को मिलेगा। थारो म्हारो प्रेम मालवी बोली की पहली फिल्म है जिसमें स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। बॉलीवुड के भी कलाकार इसमें रहेंगे। नवीन तकनीकी से सुसज्जित कैमरा इसमें उपयोग में लिया जाएगा। अंचल की कई खूबसूरत और प्यारी लोकेशन को फिल्म में दिखाया जाएगा जिससे पर्यटन को बढावा मिलेगा। जल्द ही इसी माह से फिल्म के ऑडिशन शुरू किए जाएंगे। प्रोडक्शन टीम ने मालविका देवी के दर्शन किए।

### मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान

## खिमला में निर्माणाधीन ग्रीनको पम्प स्टोरेज परियोजना क्षेत्र के लिए वरदान

**1920 मेगावाट की पम्प स्टोरेज परियोजना पर चल रहा है तेज गति से काम, मुख्यमंत्री ने अक्टूबर 2023 में किया था शिलान्यास**

**नीमच, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** ग्राम खिमला, जिला नीमच में ग्रीनको ग्रुप की 1920 मेगावाट पम्प स्टोरेज परियोजना नीमच, मंदसौर और आसपास के क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी। परियोजना की अनुमानित लागत 11 हजार 470 करोड़ रुपए है। परियोजना पर इन दिनों तेज गति से काम चल रहा है। इस परियोजना की आधारशिला तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 4 अक्टूबर 2023 को वर्चुअल कार्यक्रम में रखी गई थी। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भी इस प्रोजेक्ट को मध्यप्रदेश के लिए विशेष उपलब्धि बताया है। यह अपनी तरह की देश की सबसे बड़ी परियोजना है।

इस परियोजना से न केवल क्षेत्र की बिजली की आवश्यकता पूरी होगी, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिलेगा। गांधीसागर पम्प स्टोरेज परियोजना (झज्झ) की 1920 मेगावाट/10326 मेगावाट प्रति घंटे की स्टोरेज क्षमता है। परियोजना की अनुमानित लागत 11 हजार 470 करोड रुपए है। इस परियोजना में दो जलाशय शामिल हैं, गांधीसागर निचला जलाशय (पहले से मौजूद) और उम्परी जलाशय (ग्रीनको ग्रुप द्वारा नया निर्माण किया जा रहा है)। इस योजना में गांधी सागर जलाशय के 1.24 टीएमसी पानी का पुन:परिसंचरण द्वारा पुन:उपयोग की परिकल्पना की गई है। गांधी सागर जलाशय (मौजूदा निचला जलाशय) में पानी को पम्प करके प्रस्तावित पम्प स्टोरेज परियोजना के उम्परी जलाशय में संग्रहित किया जाएगा और इसका उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा। गांधी सागर जलाशय की कुल संग्रहण क्षमता 270.321 टीएमसी है। प्रस्तावित पम्प स्टोरेज परियोजना के उम्परी जलाशय के घटक का भौगोलिक निर्देशांक अक्षांश 24ओ 31' 6.89' उत्तर तथा देशांतर 75ओ 30' 56.12' पूर्व में है तथा गांधी सागर निचले जलाशय (मौजूदा) का भौगोलिक निर्देशांक 24ओ 31' 5.40' उत्तर तथा 75ओ 32' 5.28' पूर्व में है। प्रस्तावित पीएसपी की रेटिंग 1920 मेगावाट है। परियोजना की चक्र दक्षता 79.44% के आसपास होने की उम्मीद है, जबकि मशीन की उपलब्धता 95% होगी। 80 किलोमीटर लम्बी एसीएसआर क्वाड बर्सिमिस कंडक्टर के साथ एक 420 केवी डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन का उपयोग करने का प्रस्ताव है। यह लाइन उत्पादित बिजली की निकासी तथा पम्पिंग मोड के दौरान बिजली की आपूर्ति के लिए मध्य प्रदेश राज्य के नीमच में 400/220 केवी पीजीसीआईएल सबस्टेशन से जुड़ी होगी। सडक, रोजगार सुविधाएं, मलबा निपटान क्षेत्र आदि जैसे बुनियादी ढांचा मद के लिए आवश्यक भूमि सहित विभिन्न घटकों के निर्माण के लिए आवश्यक कुल भूमि का अनुमान लगभग 402.50 हेक्टेयर है, जिसमें वन भूमि क्षेत्र 402.50 हेक्टेयर और गैर-वन भूमि क्षेत्र 100.54 हेक्टेयर है, जिसे निर्माण के दौरान अस्थायी उपयोग के लिए अधिग्रहित करने का प्रस्ताव है। बुनियादी ढांचे के विकास सहित 3.5 वर्ष की अवधि के भीतर परियोजना का निर्माण करने का प्रस्ताव है, जिसे 6 महीने के भीतर पूरा करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित योजना में 1.90 टीएमसी सकल भंडारण क्षमता वाले उम्परी जलाशय के निर्माण के लिए अधिकतम 35 मीटर उंचाई के डामर फेस रॉकफिल बांध/तटबंध का निर्माण शामिल होगा।

उम्परी जलाशय में स्थित ट्रैश रैक और गेटों के साथ प्रदान की गई इंटेक संरचना से आठ स्वतंत्र पेनस्टॉक/प्रेशर शाफ्ट टेकऑफ किए जाएंगे। सतही विद्युत गृह, सेवन संरचना के नीचे की ओर स्थित होगा तथा इसमें कुल नौ वर्टिकल-एक्सिस रिवर्सिबल फ्रांसिस प्रकार की इकाइयां होंगी, जिनमें से प्रत्येक में जनरेटर/मोटर तथा एक पंप/टरबाइन होगा, जिसकी उत्पादन/पंपिंग क्षमता क्रमश: 240 मेगावाट/249 मेगावाट की सात इकाइयां तथा 120 मेगावाट/134 मेगावाट की दो वर्टिकल-एक्सिस रिवर्सिबल फ्रांसिस प्रकार की इकाइयां होंगी। मौजूदा गांधी सागर जलाशय का डिजाइन बाढ निर्वहन 2138 क्यूमेक्स है। गांधी सागर जलाशय की सकल भंडारण क्षमता 270.321 टीएमसी है। पीएसपी का परिचालन पैटर्न इस तरह रखा गया है कि प्रस्तावित पीएसपी के लिए 1.24 टीएमसी पानी का उपयोग किया जाएगा तथा प्रस्तावित उम्परी जलाशय में लगभग 2.39 टीएमसी (या 67.66 मिलियन क्यूमेक्स) का एकमुश्त भराव गांधी सागर जलाशय से लिया जाएगा। यह परियोजना एक पम्प स्टोरेज योजना है, इसलिए इसके संचालन के लिए वाष्पीकरण से होने वाली छोटी मात्रा की हानि को छोड़कर पानी के किसी भी प्रकार के उपभोग की आवश्यकता नहीं है। पम्प स्टोरेज परियोजना 10326 मेगावाट प्रति घंटे की ऊर्जा भंडारण क्षमता के साथ प्रस्तावित है, जिसकी पावर रेटिंग 1920 मेगावाट है। इस परियोजना में 240 मेगावाट की 7 इकाइयाँ और 120 मेगावाट की 2 द्वि-दिशात्मक टर्बाइन इकाइयाँ शामिल हैं। नीमच जिले की रामपुरा तहसील क्षेत्र के पठार अरावली (पहाड़ियों) के बीच बन रहे खिमला बिजली प्लांट से बड़ी संख्या में रोज़गार के अवसर आस पास के लोगों को मिल रहे है। प्रतिदिन 3000 से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। प्रशासन व जनता के बीच तालमेल बिठा कर ग्रीनको कम्पनी द्वारा पारदर्शिता के साथ देश के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को आगे बढाया जा रहा है। लगभग 12 हजार करोड की लागत के इस प्रगतिशील प्रोजेक्ट से मध्यप्रदेश को नई उर्जा मिलेगी। इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें गांधी सागर जलाशय से जो पानी इस्तेमाल किया जाएगा, उसका 5 प्रतिशत से भी कम नुकसान होगा। परियोजना के लिए वन विभाग व राजस्व विभाग की भूमि ली गई है। यहां तालाब नुमा टैंक बना कर पंप के द्वारा गांधी सागर जलाशय से पानी लिया जाएगा ओर उसी पानी को फिर गांधी सागर में छोडा जाएगा। इसी से पंप स्टोरेज के माध्यम से बिजली का उत्पादन होगा। इससे मनासा जनपद के रामपुरा क्षेत्र के ग्रामीणों को विशेष लाभ मिलेगा। देश की अपने तरह की सबसे बड़ी इस पंप स्टोरेज परियोजना का काम तेजी से चल रहा है, जो 1920 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करती नजर आ रही है।

**जगदीश मालवीय, जनसंपर्क अधिकारी नीमच**

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 130 | 2220 | 2425 |
| उडद | 50 | 5471 | 6740 |
| सोयाबीन | 2200 | 2800 | 4311 |
| गैहु | 1300 | 2721 | 3171 |
| चना | 108 | 5540 | 6470 |
| मसुर | 65 | 5400 | 6025 |
| धनिया | 265 | 5772 | 7451 |
| लहसुन | 8000 | 10000 | 30000 |
| मैथी | 260 | 4600 | 5820 |
| मुंगफली | 3000 | 4610 | 5600 |
| अलसी | 1120 | 5400 | 6040 |
| सरसो | 247 | 5001 | 5764 |
| तारामीरा | 0000 | 0000 | 0000 |
| इसबगोल | 46 | 10500 | 13000 |
| प्याज | 12000 | 1000 | 3555 |
| कलोंजी | 0000 | 0000 | 0000 |
| तुलसी बीज | 1 | 17400 | 17400 |
| डॉलर | 17 | 9100 | 10600 |
| तिल्ली | 11 | 8000 | 12201 |
| जौ | 0000 | 0000 | 0000 |
| मटरसुखी | 3 | 5800 | 6400 |
| असालीया | 2 | 11752 | 11753 |
| चियाबीज | 18 | 12800 | 15400 |

# पायरेसी के खिलाफ सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए गए-डॉ. मुरुगन

## 2025 में वेव्स समिट आयोजित होगी-सांसद

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** विश्व ऑडियो विज़ुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन एक प्रमुख

कार्यक्रम है जहाँ पेशेवर ऑडियो विज़ुअल उद्योग में रुझानों और नवाचारों पर चर्चा करते हैं। विषयों में अक्सर रिज़ॉल्यूशन, इमर्सिव ऑडियो और वर्चुअल रियलिटी जैसी तकनीकी प्रगति शामिल होती है। शिखर सम्मेलन में टिकाऊउत्पादन, वैश्विक बाजार रणनीतियों और सामग्री के निर्माण पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह उद्योग में उभरती प्रतिभाओं और अनुभवी पेशेवरों दोनों के लिए मूल्यवान नेटवर्किंग अवसर प्रदान करता है। उक्त बात सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा लोकसभा में पूछे गए प्रश्न के जवाब में सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कही।

लोकसभा में सांसद गुप्ता ने वेव्स और पायरेसी को लेकर प्रश्न करते हुए कहाकि सरकार को पायरेसी विशेषकर टेलीग्राम जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से मीडिया और मनोरंजन उद्योग को व्यापक राजस्व हानि की जानकारी हैं और पायरेसी से संबंधित शिकायतों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा कौन से तंत्र या प्रणालियां स्थापित की गई हैं और उनकी प्रभावशीलता क्या है। पिछले तीन वर्षों के दौरान पायरेसी से संबंधित प्राप्त शिकायतों की कुल संख्या और उनकी वर्तमान स्थिति सहित उन पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है। सांसद गुप्ता ने कहा कि मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में पायरेसी से निपटने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई मौजूदा पहलों, नीतियों और अधिनियमों क्या है। पायरेसी के खिलाफ सरकार द्वारा उठाए गए उठाए जा रहे है और दंडात्मक उपायों क्या है। क्या सरकार ने 2025 में वर्ल्ड ऑडियो विज़ुअल एंड एंटरटेंमेन्ट समिट (वेव्स) का आयोजन करते समय गेमिंग उद्योग के हितधारकों के साथ उनकी चिंताओं के बारे में कोई परामर्श किया है। सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने बताया कि भारत सरकार ने मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में पायरेसी से संबंधित शिकायतों से निपटने करने के लिए विभिन्न तंत्र और नीतियां स्थापित की हैं। इन पहलों का उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करना, डिजिटल पायरेसी पर अंकुश लगाना और उद्योग में हितधारकों की रक्षा करना है। उद्योग की चिंताओं के समाधान हेतु, चलचित्र अधिनियम, 1952 को वर्ष 2023 में संशोधित किया गया था, ताकि फिल्मों की अनधिकृत रिकॉर्डिंग और प्रदर्शन के मुद्दों से निपटने के लिए प्रावधान शामिल किया जा सके, ये संशोधन मौजूदा कानूनों अर्थात् प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी) 2000 के पूरक हैं जो फिल्म पायरेसी के मुद्दे को संबोधित करते हैं। इन प्रावधानों के अंतर्गत, सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड में एक संस्थागत तंत्र स्थापित किया गया है, जिसके तहत चलचित्र फिल्मों के मूल प्रतिलिप्यधिकार धारकों या उनके द्वारा अधिकृत व्यक्तियों और किसी अन्य व्यक्ति से इंटरनेट पर फिल्मों की पायरेटेड/इन्प्रेंजिंग प्रतियों के प्रदर्शन के संबंध में शिकायतें प्राप्त करना और ऐसे लिंकों तक पहुंच को डिसेबल करने के लिए मध्यस्थों को अधिसूचना जारी करना शामिल है। इसके अलावा, भारत सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत दिनांक 25.02.2021 को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया, आचार संहिता) नियम, 2021 अधिसूचित किया है। इन नियमों में अन्य बातों के साथ-साथ, डिजिटल समाचार प्रकाशकों और ओटीटी प्लेटफार्मों के प्रकाशकों के लिए आचार संहिता और आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए तीन स्तरीय संस्थागत तंत्र का प्रावधान है। आचार संहिता के अनुसार ओटीटी प्लेटफार्मों को ऐसी कोई भी सामग्री प्रसारित नहीं करनी चाहिए जो कॉपीराइट

अधिनियम, 1957 सहित उस समय लागू किसी भी कानून द्वारा निषिद्ध हो या जिसे किसी सक्षम न्यायालय द्वारा निषिद्ध किया गया हो। चलचित्र अधिनियम में फिल्मों की पाइरेसी के खिलाफ सख्त सजा के प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिसमें न्यूनतम 3 महीने की कैद और 3 लाख रुपये का जुर्माना निर्धारित किया गया है, जिसे 3 साल की कैद और लेखापरिक्षित सकल उत्पादन लागत के 5: तक जुर्माना बढाया जा सकता है।

# सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है-उप मुख्यमंत्री

### देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मध्यप्रदेश की तैयारी, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी के कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में हुए शामिल

**नीमच, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि देश को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन अनुसार मध्यप्रदेश ने पूरी तैयारी कर ली है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि अच्छे उद्देश्य के लिये काम की शुरूआत पूरे उत्साह के साथ करें। नियम प्रक्रियों का ज्ञान अगर शुरूआत से होता है तो आगे परेशानी नहीं होती है। सांख्यिकी विभाग में डेटा का काम बहुत महत्वपूर्ण होता है, इससे प्रदेश का बजट बनाने की प्रक्रिया आसान होती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण ले रहे कर्मचारियों के लिये यह प्रशिक्षण गुणात्मक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है और हर क्षेत्र में इसकी उपयोगिता भी है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा वाल्मी संस्थान में योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी के नव नियुक्त कर्मचारियों के आधार-भूत प्रशिक्षण समापन समारोह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने प्रशिक्षण ले रहे कर्मचारियों से कहा कि ड्यूटी और कर्त्तव्य के प्रति ईमानदार होना चाहिए। विकसित भारत2047 का लक्ष्य को पूरा करने के लिये आप सभी लोग सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्य को बोझ समझकर न करें। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागों में भर्ती प्रक्रिया की सहमति दी है। उसके तहत सांख्यिकी विभाग के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की जायेगी। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये। आयुक्त श्री ऋषि गर्ग ने कहा कि नव नियुक्ति कर्मचारियों को 9 से 13 दिसम्बर 2024 तक प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण में विभाग के सभी कर्मचारियों को विभागीय जानकारी के साथ-साथ जीडीपी, स्टेट इनकम, सीएम हेल्पलाइन जनता से जुडे मुद्दों की भी जानकारी दी गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वाल्मी संस्थान की संचालक श्रीमती सरिता वाला, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त संचालक श्री जे.डी. रायकवार और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# विचारों में मतभेद हो सकता है, लेकिन मनभेद नहीं-बोराना

### समाजसेवी कचरूलाल सोलंकी ढंढेड़ा को प्रशंसा पत्र, शाल, श्रीफल भेट कर सम्मानित किया

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** युवा अधिक से अधिक शिक्षित होकर सामाजिक कुरुतियो का मिटाने के कार्य मे आगे आये और जो लोग सामाजिक क्षेत्र मे सक्रिता से कार्य कर रहे है, उनके सहयागी बने। हमारे विचारो में मतभेद हो सकते है, लेकिन मनभेद नही होने चाहिए उक्त विचार शिक्षाविद श्यामलाल बोराना पुर्व प्रचार्य पिपलियामंण्डी ने नरसिहपुरा मंदसौर में एक सामाजिक आयोजन मे व्यक्त करते हुए कहा कि श्रीकृष्णानन्द गुजराती सेन समाज कल्याण संस्था द्वारा किया जा रहे। कार्य सराहनीय है। जिला अध्यक्ष बलराम राठौर के साथ उनकी टीम की भी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। नरहिसंपुरा के परमार परिवार मे कन्हैयालाल सेन के शोकाकुल परिवार को शोक सवेंदना संदेश स्मृती चिन्ह भेट किया गया। वही विगत दिवस सीतामऊक्षेत्र के ग्राम कोटडा बहादुर में सोलंकी परिवार मे बद्रीलाल

सोलंकी को उनकी माताजी के देवलोक गमन पर सवेदना व्यक्त कर तस्वीर भेट की गई। 13 दिसंबर शुक्रवार को वही दुसरी और संस्थान द्वारा लदुना गांव में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम मे क्षेत्र के व्योवृद्ध समाजसेवी कचरूलाल सोलंकी ढढेडा को उनके द्वारा की जा रही समाजसेवा से अभिभुत होकर श्री कृष्णानंन्द संस्थान द्वारा उनका सम्मान कर प्रशंसा पत्र भेट की किया एवं हार फुल से सम्मान किया गया। इस इस अवसर पर संस्था के सचिव अशोक परमार, रामनिवास गेहलोत, विजय परिहार, देवेश भाटी, बालाराम परिहार, ब्रजेश गेहलोत अन्य समाज के कई वरिष्ठ एवं आमजन मौजुद थे।

# वालीबाल प्रतियोगिता में 5 खिलाड़ियों का चयन

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** स्वामी रामानन्द तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय नान्देड महाराष्ट्र में 14 से 17 दिसंबर तक आयोजित होने वाली पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता भाग लेने वाली विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन और मंदसौर यूनिवर्सिटी मंदसौर के वॉलीबॉल पुरुष टीम में मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन की खिलाड़ियों चयन माली, नमन शर्मा, अनिलदास बैरागी, कुणाल राठौड़ , विवेक हाडा का चयन हुआ है। यह पांचों खिलाड़ी का नान्देड महाराष्ट्र में आयोजित होने वाली पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन

और मंदसौर यूनिवर्सिटी मंदसौर टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खिलाड़ियों के चयन होने पर पी.जी .कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार , मंदसौर यूनिवर्सिटी मंदसौर के खेल अधिकारी डॉ. शमशेर सर एवं डॉ. रोहित शर्मा ,जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर के खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंदसौर बंशीलाल बारीवाल, पूर्व क्रीड़ा अधिकारी मंदसौर अशोक शर्मा ,पी.जी .कॉलेज दलौदा खेल अधिकारी अब्दुल रजाक, शासकीय कन्या कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी मनीष पांचाल एवं जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह चौहान एवं सदस्यगण विनय दुबेला, संदीप खाबिया, शेर मोहम्मद खान, सज्जन श्रीमाल, रोहित शर्मा, अनिल पाटीदार, रउफ खान, रितेश पोरवाल, अनिल पाटीदार, मिलिंद सांखला, रंजन छाबड़ा, राजेंद्र सिंह, अभिषेक सेठिया, अक्षय नलवाया, मोहित शर्मा, अभिषेक यादव, पंकज मालवीय, आशीष रेठा, चयन माली, एंब्रोज वॉल्टर, आस्था भावसार, चंदन शर्मा,विनय अग्रवाल, संयम चौहान, दिव्यांशी गुप्ता, नेहा सालवी, जानवी हाडा व मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर ने बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की यह जानकारी जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के कोच अभिषेक सेठिया ने दी।

## जिले में आज आयुष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

**नीमच, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिले में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में आयोजित जन कल्याण अभियान के तहत आज 14 दिसंबर शनिवार को नीमच जिले के सभी आयुष आरोग्य मंदिरों में जिला आयुष विभाग द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जिला आयुष अधिकारी डॉ आशीष बोरना ने बताया कि जनकल्याण पर्व के तहत आज 14 दिसंबर को प्रात: 10:00से शाम 4:00 बजे तक आयुष आरोग्य मंदिर आयुर्वेदिक औषधालय परिसर जमुनिया कला, चीता खेड़ा, बैसला, चचोर, ढाकनी ,मालाहेडा, थडोद, धामनिया एवं कदवासा में महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी आयुष सेवाएं थीम पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

## मातृ गोष्ठी सम्पन्न

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** सरस्वती शिशु मंदिर उ.मा.वि. केशव नगर मंदसौर में कक्षा पंचम की माताओं की मातृ गोष्ठी सम्पन्न हुई।जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजेंद्र सिंह शिक्षण समिति के सम्माननीय सदस्य एवं पूर्व डाइट प्राचार्य श्री प्रमोद जी सेठिया साथ ही विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष जी यादव इप्रधानाचार्य श्री राजपाल जी सिसोदिया और कक्षा पंचम की कक्षाचार्य दीदी उपस्थिति रही मंदसौर उपस्थित रहे। मातृ गोष्ठी के दौरान शिक्षण को लेकर माता-पिता से निम्नलिखित विषयों विद्यार्थी की प्रगति, अभ्यास और होमवर्क, सीखने की आदतें और सुधार के सुझाव, बच्चे के व्यवहार और अनुशासन, तकनीकी शिक्षण और नई विधियाँ, माता-पिता की भागीदारी, भविष्य की योजनाएँ आदि विषयों पर चर्चा की गई संचालन प्रीति चावडा ने किया।

## सरस्वती सीबीएसई स्कूल के छात्र ने जीता राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** पंजाब के लुधियाना में स्कूल गेम्स ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित 68 वी नेशनल स्कूल गेम्स 11 से 17 दिसंबर तक आयोजित हो रहे है। जिसमें सरस्वती विद्या मंदिर सी.बी.एस.ई. संजीत मार्ग मन्दसौर के भैया नमन शर्मा ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हूए कांस्य पदक अर्जित कर संस्थान को गौरवान्वित किया। भारतीय आदर्श शिक्षण समिति एवं समस्त सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान परिवार ने नमन शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं करते हुए बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है।

## राष्ट्र व सनातन जागरण पर परिचर्चा कल

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद का संयुक्त आयोजन 'आत्मबोध' में 'सिद्धि एवं प्रसिद्धि' विषय पर परिचर्चा का आयोजन दिनांक15 दिसम्बर 2024 , रविवार को प्रात: ठीक 11 बजे श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर परिसर, बड़ी होली, किला रोड, कोर्ट परिसर के बाहर, मन्दसौर पर रखी गई है। राष्ट्र व सनातन जागरण के इस पुनीत अभियान में सभी राष्ट्र अनुरागी युवा, महिला एवं पुरुष सादर आमंत्रित हैं।

## सीए बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट जोश आज

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** सीए ब्रांच मंदसौर द्वारा बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन आज 14 दिसम्बर को सीटीसी ग्राउंड मंदसौर पर किया जा रहा है।

मंदसौर ब्रांच चेयरमेन सीए दिनेश जैन, सचिव सीए विकास भण्डारी ने बताया कि टर्फ क्रिकेट मैच में मंदसौर सीए शाखा की 4 टीम, रतलाम सीए शाखा की एक टीम, मंदसौर डॉक्टर्स की टीम तथा लायंस क्लब की टीमों के मध्य मैच होगा। टूर्नामेंट चेयरमेन सीए योगेन्द्र जैन, सीए सुबोध सिंहल, सीए अर्पित मेहता, सीए अंकित श्रीमाल, सीए अर्पित नागदा ने बताया कि प्रत्येक मैच 8-8 ओवर का होगा। सेमीफाइनल व फाइनल मैच 10-10 ओवर के होंगे। आपने बताया कि वर्ष 2024 में सीए ब्रांच मंदसौर का यह तीसरा क्रिकेट टूर्नामेंट है।

### भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस द्वारा आयोजित...

# विधानसभा घेराव में शामिल होकर आवाज को बुलंद करने चलो भोपाल-सम्राट

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव व केश शिल्पी प्रकोष्ठ के राकेश सेन सम्राट ने एक बयान में बताया है कि मध्य प्रदेश में पिछले एक साल में भाजपा सरकार ने जनता से किए एक भी वादे को पूरा नहीं किया है। मध्य प्रदेश में हर दिन कर्ज बढता जा रहा है। आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग के साथ-साथ केश शिल्पियों और महिलाओं पर अत्याचार निरंतर बढ रहे हैं और सरकार कुंभकर्णी नींद में सोई हुई है। जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को प्रदेशव्यापी विधानसभा का घेराव कर जनता की आवाज को विपक्ष के माध्यम से बुलंद करने जा रही है।

सम्राट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मप्र में व्याप्त भयावह आर्थिक स्थिति पर भाजपा सरकार से श्वेत पत्र लाने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में क्राइम, कर्ज और करप्शन की सरकार चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार में करप्शन की कोई सीमा नहीं है। प्रदेश में ऊपर से लेकर नीचे जो वल्लभ भवन से प्रारंभ होकर छोटे कर्मचारी तक करप्शन की धुरी बनी हुई है। भाजपा ने एक साल पहले जनता को मूलभूत सुविधाएं देने के साथ, अन्य जनहितैषी योजनाओं को लेकर जो संकल्प पत्र जारी किया था वह प्रदेश सरकार पूरी तरह से भूल गई है। संकल्प पत्र के विपरीत भाजपा ने प्रदेश के हर वर्ग को धोखा दिया है। महिलाओं को 3000 देने की बात हो, किसानों को गेहूं और धान के 2700 और 3100 रु. देने की बात हो, या युवाओं को रोजगार देने की बात हो या पत्रकार साथियों को 60 साल की आयु के बाद 20 हजार रुपए पेंशन देने की बात हो भाजपा ने सभी के साथ धोखा किया है। भाजपा को अपने संकल्प पत्र के वादे याद दिलाने के लिए कांग्रेस 16 दिसम्बर को प्रदेशव्यापी महामार्च निकालकर विधानसभा का घेराव करेगी और सरकार को मजबूर किया जायेगा कि जनता से जो वादे किए उसे वह पूरा करे। किसानों की समस्याएं, बढती हुई बेरोजगारी एवं अन्य ज्वलंत मुद्दों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में 16 दिसंबर को राजधानी भोपाल में प्रदेशव्यापी विधानसभा का घेराव किया जाएगा। जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सहित प्रदेश के वरिष्ठ नेतागण व मंदसौर विधायक विपिन जैन और हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे। राकेश सेन सम्राट ने मप्र कांग्रेस केश शिल्पी प्रकोष्ठ के समस्त प्रदेश/जिला एवं ब्लाक स्तर के पदाधिकारीयों एवं प्रदेश के सभी केश शिल्पी भाईयों 16 दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में भोपाल पहुंचकर जनहित के मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ आयोजित विधानसभा घेराव में सम्मिलित होकर जनता की आवाज को बुलंद करने और घेराव कार्यक्रम को सफल और प्रभावी बनाने का आव्हान किया है।

## ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा का शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** डाइट मंदसौर में पांच दिवसीय शिक्षकों का ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस राज्य शिक्षा केंद्र से श्री रमाशंकर तिवारी आईइडी नियंत्रक उपस्थित हुए एवं प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन दिया। समावेशी शिक्षा प्रभारी डॉ. प्रमोद कुमार सेठिया ने बताया की विद्यालयों में पढने वाले श्रवणबाधित एवं दृष्टीबाधित बच्चों को शिक्षण में सहयोग हेतु उन विद्यालय के शिक्षकों को डाइट मंदसौर में ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर ललित पालीवाल, सुनीता अहीर, अवधेश पाटीदार और राजेंद्र शर्मा ने प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर डीपीसी जेडी शुक्ल, गंगाधर पंवार भी उपस्थित हुए।

# नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज

**मंदसौर, 13 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस।** राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार तथा श्री कपिल मेहता, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के मार्गदर्शन में दिनांक 14 दिसम्बर शनिवार को जिला स्तर पर एवं तहसील न्यायालय भानपुरा, गरोठ, सीतामऊ, नारायणगढ में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है।

उपरोक्त आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री सिद्धार्थ तिवारी द्वारा बताया कि उक्त नेशनल लोक अदालत में प्रीलिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों में राजीनामे के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। जिसमें पक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत चैक बाउंस संबंधी प्रकरण, धन वसूली संबंधी प्रकरण, श्रम विवाद संबंधी प्रकरण, विद्युत और जल देयक संबंधी प्रकरण, भरण-पोषण संबंधी प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम के अंतर्गत आने वाले प्रकरण एवं अन्य आपराधिक शमनीय तथा दीवानी विवाद संबंधी प्रकरण, वैवाहिक मामले (तलाक संबंधी प्रकरणों को छोडकर), भूमि अधिग्रहण संबंधी प्रकरण, वेतन/भत्ते/सेवा निवृत्ती संबंधी लाभ के सर्विस मैटर संबंधी प्रकरण, राजस्व प्रकरण (जिला न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों में लंबित प्रकरण), अन्य दीवानी प्रकरण जैसे किराया, विनिर्दिष्ट अनुतोष संबंधी वाद इत्यादि एवं बैंक/फायनेंस, बी.एस.एन.एल. राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों से संबंधित प्रिलिटिगेशन प्रकरणों को इस नेशनल लोक अदालत के अंतर्गत राजीनामा के माध्यम से निराकृत किया जावेगा। उपरोक्त नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य प्रकरणों को निराकृत किये जाने हेतु जिला मुख्यालय मंदसौर एवं तहसील विधिक सेवा समिति गरोठ, भानपुरा, नारायणगढ तथा सीतामऊमें खण्डपीठों का गठन किया गया है, जो निम्नानुसार है:-

क्र. खण्डपीठ में पीठासीन अधिकारी-1. डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मन्दसौर ,2. श्री आसिफ अब्दुल्लाह प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मन्दसौर , 3. श्रीमती शिल्पा तिवारी, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, मंदसौर, 4. श्री विशाल शर्मा, सप्तम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मन्दसौर, 5. श्री विवेक बुखरिया, चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मन्दसौर ,6. श्री मुनेन्द्रसिंह वर्मा, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के अतिरिक्त न्यायाधीश, मंदसौर , 7. श्री प्रवीण कुमार सोंधिया, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मंदसौर, 8. श्री प्रेमदीप सांखला, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठखण्ड, मन्दसौर, 9. श्रीमती रोहिणी तिवारी, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, मन्दसौर , 10. श्री विनोद अहिरवार, पंचम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, मन्दसौर, 11. श्री राजकुमार त्रिपाठी, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठखण्ड, मंदसौर, 12. सुश्री प्राची पाण्डेय, पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठखण्ड, मन्दसौर, 13. सुश्री श्वेतासिंह, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठखण्ड, न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, मंदसौर, 14. सुश्री रूपा मिश्रा, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठखण्ड, मन्दसौर, 15. सुश्री पुर्वी गुप्ता, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठखण्ड, मन्दसौर , 16. श्री काशीष माटा, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठखण्ड, मन्दसौर , 17. कु. गंगाचरण दुबे, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, 18. श्री जय पाटीदार, पीठासीन अधिकारी श्रम न्यायालय, मंदसौर, 19. श्री वीरेन्द्र प्रतापसिंह, पीठासीन अधिकारी जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग, मंदसौर, 20. श्री सुरेशसिंह जमरा, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, गरोठ, 21. श्री राहुल दुबे, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड के अतिरिक्त न्यायाधीश, गरोठ, 22. सुश्री प्रीति पाण्डेय, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठखण्ड, गरोठ, 23. श्री जितेन्द्र कुमार पाराशर, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, भानपुरा, 24. श्री ऋषिराज मिश्रा, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश, भानपुरा, 25. श्रीमती मेघ पुरोहित, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठखण्ड, भानपुरा, 26. श्री विनीत साकेत, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठखण्ड, सीतामऊ, 27. श्रीमती प्रियंका सुमन सकेत, अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठखण्ड, सीतामऊ, 28. सुश्री शुभांगी तिवारी, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठखण्ड, सीतामऊ, 9. श्री डालचन्द, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, नारायणगढ, 30. श्री सौरभ कुमार सिंह, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, नारायणगढ, 31. श्रीमती साक्षी प्रसाद, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, नारायणगढ।

In The Court Of II Civil Judge Class-I, District Court, Mandsaur
Presiding Officer: श्री प्रेमदीप सांकला
**(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)**
(RCS A/0000018/2022)
**मेसर्स आजना कंस्ट्रक्शन कंपनी केसुदा द्वारा मु.आम- संजय माथुर..... वादी**
**विरुद्ध शकुंतलाबाई पाठक ..... प्रतिवादी**

**4475-1**
Process Id-/2024
पेशी दिनांक: 28/01/2025

प्रेषिती-

(1) शकुंतलाबाई पाठक पति ओमप्रकाश पता- करजू, तहसील दलौदा जिला मंदसौर मप्र

यह कि प्रार्थी मेसर्स आंजना कन्ट्रक्शन कंपनी केसुदा द्वारा मुआ. संजय माथुर ने आपके विरूद्ध व्यवहार वाद अ के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत कराये।

यह आज तारीख 11 December 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है

न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी:-0

प्रेमदीप सांकला
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, मंदसौर (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in